श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 200, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण | प्रयागराज | बुधवार 14 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

हिल स्टेशनों और बाजारों में बिना मास्क भीड़ जुटने पर सख्त हुए पीएम मोदी, बताया तीसरी लहर का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पूर्वोत्तर राज्यों में कोरोना वायरस की स्थिति को लेकर चर्चा की।

इस दौरान पीएम मोदी कहा कि हिल स्टेशनों पर बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किए बिना भारी भीड़ का उमड़ना चिंता का विषय है। पीएम ने इस दौरान यह भी कहा कि कोविड-19 के फैलने के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रो में टीकाकरण पर और जोर देने की जरूरत है।पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर के कुछ जिलों में कोविड-19 की स्थिति चिंताजनक है। ऐसे में सतर्क रहने तथा वायरस का और

प्रसार रोकने के लिए तेजी से कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी पर्यटन स्थलों पर बिना मास्क और सामाजिक दूरी का पालन नहीं करते हुए बड़ी भीड़ का जुटना चिंताजनक है।

पीएम ने कहा, 'मैं जोर देकर कहूंगा कि हिल स्टेशनों पर और मार्केट्स में बिना मास्क पहने और प्रोटोकॉल का पालन किए बिना भारी भीड़ का उमड़ना सही नहीं है। यह चिंता की वजह है। कई बार हम सुनते हैं कि लोग कहते हैं कि हम तीसरी लहर आने से पहले एंजॉय करना चाहते हैं। यह समझना जरूरी है कि तीसरी लहर अपने आप नहीं आएगी। कई बार लोग पूछते हैं कि तीसरी लहर से निपटने की आपकी क्या तैयारी है। आज हमें यह सोचने की जरूरत है कि तीसरी लहर को कैसे रोकना है। कोरोना ऐसी चीज है, जो खुद नहीं आती है। इसलिए सावधानी बरतने की जरूरत है।'कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं के मद्देनजर पीएम मोदी ने कहा कि महामारी की थर्ड वेव को रोकने के लिए हम सभी को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। वायरस का प्रसार रोकने के लिये लघु स्तर पर सख्त कदम उठाने की जरूरत है। पीएम मोदी ने इस दौरान सूक्ष्म निषेध केंद्रों पर ज्यादा जोर देने का आह्वान भी किया। कोरोना के अलग-अलग वेरिएंट से पैदा हुए खतरे को लेकर पीएम ने कहा कि हमें कोविड के प्रत्येक स्वरूप पर नजर रखने की जरूरत है, ऐसी बदलती परिस्थितियों में रोकथाम और उपचार बेहद महत्वपूर्ण हैं।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बने शेर बहादुर देउबा, पांचवीं बार ली पीएम पद की शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेर बहादुर देउबा ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ले ली है। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर

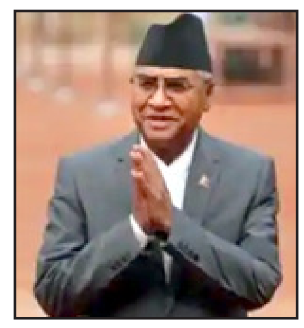

बहादुर देउबा मंगलवार को पांचवीं बार देश के प्रधानमंत्री बने।

राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने संविधान के अनुच्छेद 76(5) के तहत उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। जिसके बाद अब देउबा ने शपथ भी ले ली है। दरअसल, सोमवार को नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने देउबा को प्रधानमंत्री बनाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने के पी शर्मा ओली को हटाते हुए प्रधानमंत्री पद के लिए देउबा के दावे पर मुहर लगाई थी। राष्ट्रपति भंडारी के निजी सचिव बहेश राज अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप, राष्ट्रपति भंडारी ने देउबा को प्रधानमंत्री नामित किया है।

हिमाचल प्रदेशः बादल फटने के बाद लापता हुए सिंगर मनमीत सिंह की करेरी लेक से मिली लाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और जलजमाव के बीच एक और बुरी खबर आई है। जाने-माने पंजाबी सिंगर मनमीन सिंह की लाश कांगड़ा जिले में स्थित करेरी लेक इलाके से मिली है। मनमीत सिंह की लाश मिलने की पुष्टि पुलिस अधीक्षक विमुक्त रंजन ने की है। मनमीत सिंह का ग्रुप ऐंहृ दूपे के नाम से मशहूर था। बताया जा रहा है कि मनमीत सिंह अमृतसर से धर्मशाला घूमने के लिए आये हुए थे। उनके साथ उनके भाई और चार अन्य दोस्त भी यहां आए हुए थे। मनमीत सिंह पंजाब के एक चर्चित सूफी गायक थे। सैन ब्रदर्स ने भारत के अलावा विदेश में भी अपनी गायकी से लोगों का दिल जीता था।

सीएम योगी की दो टूक-

यूपी की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, खिलवाड़ करने वालों को चुकानी होगी भारी कीमत

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से अलकायदा के दो सदस्यों के पकड़े जाने के बाद प्रदेश में मचे सियासी बवाल के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर से विरोधियों को दो टूक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विकास की योजनाएं तभी सार्थक हैं जब सभी लोग सुरक्षित रहें। सरकार प्रदेश की 24 करोड़ जनता की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को किसी भी सूरत में छूट नहीं दी जा सकती, उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी ही होगी।

सीएम योगी मंगलवार को गोरखपुर में नगर निगम की 94 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 370 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कर रहे थे। गोरखपुर क्लब में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हम सभी को विकास के साथ ही सुरक्षा के प्रति लगातार सजग रहना होगा। सुरक्षा के प्रति थोड़ी सी सजगता से कई लोगों का जीवन सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ह्यूमन इंटेलिजेंस यानी लोगों की सजगता से मिली जानकारी पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े दो साजिशों को बेपर्दा किया गया है। मूक बधिर बच्चों के जेहादी धर्मांतरण से राष्ट्र की सुरक्षा में सेंध लगाने का षडयंत्र किया जा रहा था।

इसमें पकड़े गए लोगों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने लखनऊ में पकड़े गए दो संदिग्धों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकियों के साथ मिलकर आजादी के जशन में खलल डालने की साजिश रची जा रही थी। ह्यूमन इंटेलिजेंस यानी लोगों की सजगता से मिली सूचना पर सुरक्षा एजेंसियों ने इन्हें बेपर्दा कर दिया। बारूद का जखीरा, बम व अत्याधुनिक हथियार मिले।

अगर-मगर खत्म, कोरोना के डर से कैंसिल हुई कांवड़ यात्रा, उत्तराखंड में कांवड़ियों की नो एंट्री

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए इस साल होने वाली कांवड़ यात्रा को रद कर दिया है। हालांकि, सरकार पहले भी यात्रा को रद्द करने का संकेत दे चुकी थी। कांवड यात्रा में उत्तराखंड मुख्य रूप से मेजबान राज्य की भूमिका निभाता है, जबकि यात्री मुख्य रूप से यूपी, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान जैसे राज्यों से आते हैं। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा को शर्तों के साथ अनुमति मिल चुकी हैं।

पश्चिम बंगालः क्या होगा शुभेंदु अधिकारी का नंदीग्राम में जीत के खिलाफ ममता की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार का दिन पश्चिम बंगाल के लिए बेहद अहम है। दरअसल पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट से भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की जीत के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर नयी पीठ बुधवार को ही सुनवाई करेगी।

न्यायमूर्ति कौशिक चंदा के तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो की चुनावी याचिका पर सुनवाई से अलग होने के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल ने मामले को न्यायमूर्ति शंपा सरकार की पीठ को सौंप दिया। मामले को बुधवार दोपहर 2.30 बजे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध

किया गया है।

अधिकारी ने साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र से बनर्जी को 1,956 मतों से हराया था। न्यायमूर्ति कौशिक चंदा ने इस मामले में सुनवाई से सात जुलाई को खुद को अलग कर लिया था। न्यामूर्ति चंदा ने इस मामले से उन्हें अलग करने की मांग को लेकर ममता बनर्जी पर पांच लाख रुपये जुर्माना लगाया था।

दिल्ली में पहली ही मॉनसूनी बारिश में 'स्वीमिंग पूल' बनी सड़क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मॉनसून आगमन पर हुई झमाझम बारिश ने जहां भीषण गर्मी से बेहाल लोगों को थोड़ी राहत दिलाई है, वहीं पहली ही बारिश के बाद कई सड़कों पर हुए जलजमाव ने उनकी मुसीबतें भी बढ़ा दी हैं। हालांकि इस दौरान लोगों ने बारिश का जमकर आनंद लिया। दिल्ली के सोम विहार में बारिश के बाद सड़कें स्वीमिंग पूल में तब्दील हो गईं और बच्चे बरसात के पानी में जमकर मस्ती करते दिखे।

सड़कों पर जलभराव का ऐसा ही नजारा सरिता विहार, मथुरा रोड, प्रहलादपुर अंडरपास सहित करीब दर्जनभर जगहों पर देखने को मिला। इसके चलते यहां लंबा जाम भी लग गया और लोग अपने दफ्तरों में समय पर पहुंचने के लिए जद्दोजहद करते दिखे।बहुप्रतिक्षित दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आखिरकार

मंगलवार सुबह दिल्ली पहुंच गया जिससे लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि मॉनसून अपने सामान्य समय से 16 दिन की देरी से दिल्ली पहुंचा है। बीते 19 वर्षों में मॉनसून के आगमन में यह सबसे अधिक विलंब है। 2002 में मॉनसून 19 जुलाई को दिल्ली पहुंचा था। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक के. जेनामणि ने मंगलवार सुबह दक्षिण दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश होने के बाद पुष्टि करते हुए कहा कि मॉनसून दिल्ली पहुंच गया है। आईएमडी ने बताया कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (बहादुरगढ़, गुरुग्राम, फरीदाबाद, लोनी देहात, नोएडा, खेकड़ा), गोहाना, सोनीपत, रोहतक (हरियाणा) में और इससे सटे आस पास के अधिकतर स्थानों पर अगले दो घंटे के दौरान गरज के साथ मध्यम तीव्रता की बारिश होगी और 20-40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।आमतौर पर मॉनसून 27 जून को दिल्ली पहुंच जाता है। 8 जुलाई तक मॉनसून पूरे देश में छा जाता है।

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता–भीरपुर करछना, प्रयागराज

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष – 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
अश्वगंधा
अकरकरा
प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम–कबरा, पोस्ट–डीहा, तहसील–करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय–868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम – 8318174147 अनमोल– 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव–प्रयागराज,
निवास ग्राम–अल्हवा, देवघाट, कोरांव–प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

TVS XL100 | TVS Jupiter ZYADA KA FAYDA | TVS Sport MILEAGE KA BAAP | Apache RTR 160 4V | Apache RTR 200 4V | TVS Wego 110 | Scooty Pep+ | Star City+
प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मोः 9721116002

साईं कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पॅच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पॅकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

ग्रामीण अचंल

आकाशीय बिजली से हुई मृत्यु पर तहसीलदार करछना ने परिजनों को दिया चार लाख का प्रमाण पत्र

करछना के दो गांवो में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मृत्यु हुई थी

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील करछना के ग्राम पंचायत रोकड़ी व ग्राम पंचायत बेनीपुर में दो लोगों की आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हो गयी थी । जिसमें रोकडी गांव के त्रिभुवन नाथ पटेल, तथा बेनीपुर के कृष्णा नंद की आकशीय बिजली गिरने से मृत्यु पर तहसीलदार करछना ने उत्तर प्रदेश सरकार आपदा प्रबंधन द्वारा चार -चार लाख रुपये का प्रमाण पत्र मृतक के परिजनों को उनके घर जाकर दिया ,बेनीपुर में मृतक कृषणा नंद की पतनी गीता देवी, व रोकडी के मृतक त्रिभुवन नाथ पटेल के परिजनों को प्रदान किया

तहसीलदार करछना अनिल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि तहसील क्षेत्र में दो लोगों की मृत्यु आकाशीय बिजली गिरने से हुई थी जिसकी रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी, जिस पर सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन राहत कोष से मृतक के परिजनों के बैंक खाते में चार-चार लाख रुपये ट्रांसफर कर दिये गये हैं, और परिजनों को उसका प्रमाण पत्र दिया गया है ।

सार्वजनिक शौचालय का किया गया विधि विधान से नीव पूजन

सहसों। सार्वजनिक शौचालय प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके निर्माण से गांव के लोगों को काफी सहूलियत व लाभ मिलेगा। उक्त बातें विकास खंड अधिकारी बहरिया दिव्या सिंह ने सोमवार को पुरुषोत्तमपुर उर्फ गारापुर में बनने वाले सार्वजनिक शौचालय की नीव का विधिवत पूजन करते हुए कही। इस मौके पर आचार्य लल्लू दुबे व कल्लू दुबे ने वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर एडीओ पंचायत कृष्ण चंद्र पांडे, ग्राम प्रधान द्वारिका मौर्या व वीडीओ पूजा सिंह ने भी नीव में ईंट रख कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय गारापुर में पौधारोपण भी किया गया। एडीओ पंचायत ने ग्राम प्रधान द्वारिका मौर्य को फाइलेरिया की दवा खिलाकर स्वास्थ्य कैंप का भी शुभारंभ किया।

एन आर एल एम के तहत किया गया समूह का गठन

अखंड भारत संदेश

भडेवरा/करछना। ब्लाक करछना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गावो में सरकार द्वारा चलाई जा रही आजीविका मिशन की ओर से क्षेत्र के गांव सुलमई, बसरिया, भडेवरा निबैया सहित कयी गांवो में आयोजित गोष्ठी में ब्लॉक कर्मचारी और समूह सखी मिलकर महिलाओं को जागरूक करके आत्मनिर्भर बनाने की कवायद शुरू की गई है। सरकार द्वारा चलाई गई इस योजना से सभी महिलाएं लाभान्वित होगी ।

जैसे बाल पोषाहार , मनरेगा का कार्य अन्य स्वयं का व्यापार ,समूह से जोड़े गए सदस्यों को सरकार आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान कर रही है और महिलाओं को पुरुषो के बराबर कार्य की जिम्मेदारी भी सौंपी जा रही है। समूहों के द्वारा लोगो को साफ सफाई व्यवस्था , रोगों की रोक थाम तथा उससे लड़ने के लिए वैक्सीन का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई ।

करछना में अधिवक्ता हड़ताल पर, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील करछना के अधिवक्ताओं द्वारा अपनी विभिनन्‍ मांगों को लेकर विगत एक सप्ताह से हड़ताल पर हैं आज मंगलवार को बार एसोसिएशन करछना के अधिवक्ताओं की बैठक तहसील सभागार में आयोजित हुई। जिसमें अपनी मांगों को जायज बताते हुए उपजिलाअधिकारी करछना विनोद कुमार पांडे को ज्ञापन सौंपा जिसमें समय से वादकारियों का फाइलों का निस्तारण न होना, लंबित मुकदमों की सुनवाई करना एवं तहसील में लेखपालों की कार्यशैली व ब्याप्त भ्रष्टाचार जैसी मांगों को लेकर अधिवक्ता एक सप्ताह से हड़ताल पर चल रहे थे। अधिवक्ताओं के ज्ञापन में आयुक्त प्रयागराज एवं जिलाधिकारी प्रयागराज एवं बार एसोसिएशन प्रयागराज, हाई कोर्ट इलाहाबाद जिला अधिवक्ता संघ प्रयागराज, को अपनी मांगों के संदर्भ में ज्ञापन सौंपा गया पत्र के माध्यम से लोगों को अवगत कराया गया है जिसमें अधिवक्ताओं की मांगों पर विचार नहीं किया गया तो 19 जुलाई को तहसील करछना के अधिवक्ताओं द्वारा तहसील में तालाबंदी और चक्का जाम करने का निणन्य लिया गया है बैठक में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चिंतामणि शुक्ल महामंत्री हंसराज सिंह , रमेश चंद्र द्विवेदी, राकेश शुक्ला,एल बी सिंह, यादव प्रसाद पटेल, शिवेंद्र सिंह ,दिनेश कुमार श्रीवास्तव, रमाकांत विश्वकर्मा, अतुल कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार सिंह, अंजनी कुमार तिवारी ,सुरेश चंद्र, राजेश कुमार, हेमराज, बिजली सिंह सहित दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

सफाई कर्मियों की मनमानी पर नाराजगी

ग्राम प्रधानों ने जताई नाराजगी,कई गांवों में नहीं है सफाई कर्मी, स्वक्छता मिशन पर लगा ग्रहण

अखंड भारत संदेश

रत्योरा/प्रयागराज। विकास खण्ड क्षेत्रों के ग्राम पंचायतों के साफ सफाई की ब्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए सफाई कमियों की तैनाती है।परन्तु विकास खण्ड कोरांव के सफाईकर्मी की मनमानी पर ग्राम प्रधानों में नाराजगी देखने को मिली ।

सफाईकर्मी की मनमानी की वजह से गांवों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वर्तमान समय में चल रही वैश्विक महामारी कोरोना काल और बारिश होने के चलते गाँव के हालत बद से बदतर देखने को मिल है। और गाँवो की नालियां जाम होने के कारण और कीचड़ से भरे रास्ते गन्दगी से बज बजाती नालियां जिम्मेदार को दुहाइयाँ दे रही है। वैसे तो ग्राम पंचायतों में तैनात किए गए सफाईकर्मी की निगरानी बीडीओ और एडीओ पंचायत की होती हैं। किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से ब्लाक में बैठकर सफाईकर्मी आसानी से बेतन उठा रहे हैं। और प्रधान को ठेंगा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। । ऐसा मामला विकास खण्ड कोरांव के रत्योरा करपिया गाँव का है। ग्राम प्रधान ने बताया कि सफाईकर्मी लालबहादुर पाल की तैनाती की गई है।किन्तु सफाईकर्मी गाँव में सफाई नही करता है ।जिससे सार्वजनिक स्थल विद्यालय और गाँव की गलियों की नालियां बरसात होने की वजह से बजबजाती नजर आ रही है। और वह मनमानी पर उतारू है।

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान शशिकांत ने कहा कि जब भी सफाईकर्मी पर फोन से सम्पर्क करता हूँ तो सफाईकर्मी लालबहादुर यह कह कर पल्ला झाड़ लेता है कि मैं ब्लाक जा रहा हूँ साहब बुलाये है। और कभी यह कहता है कि मै जिले जा रहा हूँ साहब भेजे हैं। फिलहाल सफाईकर्मी की रवैया को देखते हुए ग्राम प्रधान ने मनमानी करने का आरोप लगाया है।कोरांव ब्लाक में अधिकांश गाँवो सफाईकर्मी तो तैनाती करायी गयी है ।किन्तु साफ सफाई के नाम पर गाँव की बस्तियों व चौराहों पर सड़क के किनारे बनी पक्की नाली की साफ सफाई न होने से कूड़े कबाड़ व गन्दगी से बजबजाती नजर आ रही है। गाँवो की नालियों की साफ सफ़ाई की बात छोड़िये चौराहों पर सरकारी हैण्डपम्प लगा हुआ है ।जिसका पानी नाली जाम होने के कारण दुकानदारों के सामने गन्दा पानी बहता नजर आ रहा है। सफाईकर्मी सफाई करना मुनासिब नही समझते।

इसी प्रकार भगेसर बिरहा करपीया , मझिगवां अल्हवा आदि गाँवो में गन्दगी का अम्बार देखने को मिलता है । जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही हैं। ग्रामीणों की बात पर गौर करें तो उन लोगो का कहना है कि गाँवो में बनी पक्की नाली निर्माण पूरी तरह से भट गयी है जिससे बरसात का पानी भी नाली से नही निकल पाता जिससे सड़को पर चलना काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी प्रयागराज व एडीओ पंचायत कोरांव का ध्यान आकर्षित कराते हुए सफाईकर्मी पर कार्यवाही करने की मांग की है।जिससे साफ सुथरा गाँव हो सके।

अधिकारियों ने किया जेल का निरीक्षण, बंदियों का जाना हालचाल

नैनी। केंद्रीय कारागार नैनी का मंगलवार को एडीएम सिटी, एसपी यमुनपार, एडिशनल सीएमओ, एसडीएम व सीओ करछना ने सर्किल की फोर्स संग निरीक्षण किया। एक घंटे से अधिक चले निरीक्षण के दौरान समस्त सर्किलों की तलाशी के साथ ही जेल अस्पताल, पाकशाला व बंदियो को होने वाली वैक्सीनेशन के बारे मे जानकारी ली। सेंट्रल जेल नैनी का मंगलवार को अधिकारियों ने लगभग दो घंटे तक निरीक्षण किया। बैरकों की तलाशी ली गई। हालांकि तलाशी के दौरान जेल से कोई भी आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद नही हुआ। इसके बाद अधिकारियों ने बंदियों से बातचीत कर उनको दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। पाकशाला, जेल अस्पताल व अन्य जगहों का निरीक्षण किया।

आकाशीय बिजली गिरने से चरमराई बड़ौदा यू पी बैंक की व्यवस्था

भडेवरा/करछना। क्षेत्र के भड़ेवरा के आज पास गिरी आकाशीय बिजली से बड़ौदा यू पी बैंक के सारे कंप्यूटर सिस्टम , और लटकते हुए पंखे और इंटरनेट की सारी व्यवस्था तितर बितर हो गई। जिससे ग्राहकों को सुविधा के लिए थोड़ा सा इंतजार करना पड़ सकता है । शाखा प्रबंधक के द्वारा बताया गया की ग्राहकों की सुविधा के लिए जल्द से जल्द बैंक के मुख्य आई टी विभाग से मिलकर इस समस्या का समाधान किया जायेगा और ग्राहकों को पुनः सारी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

दि ओरिएंटल इन्श्योरेंस कंपनी का अनुबंध बड़ौदा यू पी बैंक से हुआ

अब ओरिएंटल इन्श्योरेंस और बड़ौदा यूपी बैंक मिलकर ग्राहकों को देगें बेहतर सेवा

अखंड भारत संदेश

जारी/प्रयागराज। बीमा कंपनी और बैंक के बीमा अनुबंध के बाद बैंक के क्षेत्रीय प्रबन्धक से ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के मंडलीय प्रबन्धक और शाखा प्रबंधक ने मुलाकात किया।

दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी प्रयागराज के मण्डलीय प्रबंधक अरुण कुमार गुप्ता,नोडल अधिकारी सत्येन्द्र कुमार सिंह शाखा प्रबंधक नैनी व साथ मे धनंजय वर्मा,अमित कुमार आदि ने बड़ौदा यू.पी. बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय तास्कंद मार्ग प्रयागराज में बैंक के क्षेत्रीय प्रबन्धक सोरन सिंह से मुलाकात किया व क्षेत्रीय प्रबंधक से बैंक के बीमापॉलिसी के सम्बन्ध में सकारत्मक बातचीत हूई । नैनी स्थित ओरिएंटल इंश्योरेंस के शाखा प्रबंधक ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता है कि बड़ौदा यू.पी. बैंक को अच्छी से अच्छी बीमा पॉलिसी सेवा प्रदान की जाय ।

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी का अनुबंध हाल ही मे बड़ौदा यू.पी. बैंक से हुआ है । इस बैंक की 2000 से अधिक शाखा प्रदेश में है । इस बैंक का बीमा पॉलिसी के लिए अनुबंध ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी के साथ-साथ दो अन्य प्राइवेट कंपनीयो से भी हुआ है।

पर्यावरण की शुद्धता के लिये वृक्षारोपण जरूरीः बीडीओ

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। विकास खण्ड शंकरगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत मवैया कला में खण्ड विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान ने वृक्षारोपण करते हुए ग्रामीणों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील किया। खण्ड विकास अधिकारी देवेंद्र कुमार ओझा ने ग्राम पंचायत में पीपल का वृक्ष रोपित किया। वृक्षारोपण के दौरान उन्होंने कहा कि सभी ग्रामीणों को कम से कम एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए और जिस वृक्ष को लगाए उसकी देखभाल करके उसको तैयार भी करें। ग्राम प्रधान संतोष सिंह ने भी लोगो से कहा कि अपनी आवश्यकता के अनुसार फलदार अथवा छायादार वृक्ष लगाकर अपने गाँव को हरा भरा बनाने में सहयोग प्रदान करें। इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी देवेन्द्र कुमार ओझा के अलावा ग्राम प्रधान संतोष सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी आशीष सिंह, कुलदीप पाठक व अन्य कई ग्रामीण मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने मारी खड़ी ट्रक में टक्कर, चालक गंभीर

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। यूरिया खाद लादकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक में तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे ड्राइवर व खलासी सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी फूलपुर में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने शहर के लिए रेफर कर दिया।

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के इफको पुलिस चौकी अन्तर्गत पूरे भुलई गांव के सामने मंगलवार को एक यूरिया लदी ट्रक सड़क किनारे खड़ी थी। तभी सुबह करीब 4 बजे आजमगढ़ से मेजा गिट्टी लादने जा रही तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से भिड़ गई। जिसमें चालक रामानंद यादव 28 पुत्र मुनन्र लाल यादव बुरी तरह से घायल हो गया।चालक को इलाज हेतु सीएचसी फूलपुर में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने एस आर एन के लिए रेफर कर दिया। इसी प्रकार प्रतापपुर सीएचसी के दो वार्ड बॉय मंगलवार सुबह दस बजे ड्यूटी खत्म होने पर बाइक से घर वापसजा रहे थे। तभी सराय हरीराम गांव के पास ट्रक से टकराकर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस के पायलट संदीप यादव एवं ईएमटी अशोक पाल ने घायलों को फूलपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने घायलों को शहर के लिए रेफर कर दिया।

प्रयागराज सिपाही भ्रष्टाचार केसः लोकायुक्त के समक्ष परिवाद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने पुलिस लाइन्स, प्रयागराज में पूर्व में तैनात रहे सिपाही अजय कुमार सिंह के खिलाफ लोकायुक्त के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया है। अपने परिवाद में नूतन ने कहा कि उन्हें दी जानकारी के अनुसार अजय सिंह के पास करोडो की सम्पत्ति, फार्च्यूनर 4.2 वाहन संख्या यूपी70सीई3440, एक आल्टो कार एवं एक नई बुलेट है. अजय कुमार सिंह की पतनी के नाम प्रयागराज में 05 अक्टूबर 2019 को रु0 39,22,000 तथा 10 अप्रैल 2014 को रु0 22,00,000 मूल्य के दो फ्लैट हैं. इसके अलावा उनके द्वारा गाँव मे करोडो का मकान, प्रयागराज के नारीबारी मे करोड़ो की जमीन तथा फ्लैट में पच्चीसों लाख रुपये का काम करवाने के आरोप हैं।

उन्होंने कहा था कि इनका लिविंग स्टैंडर्ड किसी बड़े धनाढ्य से कम नहीं बताया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस संबंध में डीजीपी से लेकर सभी अफसरों से शिकायत की किन्तु अब तक मामले में हीलाहवाली की जा रही है. प्रयागराज पुलिस ने यह कहते हुए प्रकरण को समाप्त कर दिया कि अजय सिंह वर्तमान में कौशाम्बी में तैनात हैं तथा कौशाम्बी से महंत नरेन्द्र गिरी के साथ नियुक्त हैं, अतः कौशाम्बी से जाँच करायी जाये। नूतन ने डीजीपी को दुबारा पत्र भेज कर जाँच की मांग की किन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई. उन्होंने इन तथ्यों की जाँच कर समुचित कार्यवाही की मांग की है।

करछना में सपाइयों ने बैठक कर बनाई रणनीति

15 जुलाई को करछना तहसील मुख्यालय पर करेंगे प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

करछना। सपा कार्यकर्ताओं की बैठक मंगलवार को हिंदूपुर गांव में आयोजित की गई। जिसमें आगामी 15 जुलाई को सपाइयों द्वारा तहसील करछना में धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसे लेकर नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी और जिला पंचायत सदस्य राजेश्वर पांडे के नेतृत्व में बैठक आहूत की गई जिसमें पन्द्रह जुलाई को धरना प्रदर्शन को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया गया और धरना प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित सपा कार्यकर्ता ओम प्रकाश सिंह उर्फ कबूतर ने नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुख को बधाई देते हुए सपा की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए सभी को एकजुट करने की अपील की बैठक में प्रमुख रूप से हंसराज सिंह , डॉक्टर नजम, अनुराग सिंह यादव,राजू सिंह, मुख्तार अहमद सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मेजा एनटीपीसी में डाकघर का हुवा उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा ऊर्जा निगम के सृजन बिहार आवासीय परिसर में सर्वजन की सुविधा हेतु 12 जुलाई सोमवार को डाकघर की शुरुआत हुई।

गौरतलब हो कि डाकघर का उद्घाटन मेजा ऊर्जा निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश कुमार एवं वरिष्ठ डाक सेवाएं संजय डी अखाड़े प्रयागराज के द्वारा फीता काटकर डाक संबंधी सेवाओं की शुरुआत की गई। उक्त डाक घर पर पिन कोड एलाट किया गया है। इस दौरान श्री अखाड़े ने डाकघर को शुरू करने के लिए मेजा ऊर्जा निगम के सफल प्रयासों की सराहना करते हुए प्रबंधन को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह डाकघर स्पीड पोस्ट, पार्सल आदि सभी प्रकार की सामान्य डाक सेवाएं प्रदान करेगा। भविष्य में पोस्टल बैंकिंग सेवा, आधार कार्ड पासपोर्ट सेवाएं भी प्रदान कराई जाएगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजा ऊर्जा निगम राकेश कुमार ने डाकघर की सेवा आरंभ होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे व्यक्तिगत कार्यालयी पत्राचार में सुगमता तथा शीघ्रता आएगी व मेजा ऊर्जा निगम के निवासी अधिकारीगण सहित आमजन भी लाभान्वित होंगे। डाकघर के उद्घाटन से क्षेत्रवासियों में खुसी की लहर दौड़ पड़ी।

अज्ञात चोरों ने जेवरात समेत अन्य कई समान तथा लाखों रुपए नकदी किया पार

चोरों का हौसला बुलंद आए दिन बहरिया थाना क्षेत्र में होती रहती है चोरियां

अखंड भारत संदेश

बहरिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के सिकंदरा चौकी अंतर्गत चैमलपुर निवासी संत प्रसाद मिश्रा के घर में अज्ञात चोरों ने सोमवार की देर रात बाहर लगी खिड़की के नीचे की ईट काटकर घर में रखें तीन बक्से उठाकर बाहर बाग में ले जाकर ताला तोड़कर उसमें रखे नगदी लगभग एक लाख रुपए और सोने चांदी के जेवरात जो कि उनकी बहू के थे।उसे उठा ले गये सुबह कटी ग्रिल देखकर संत प्रसाद मिश्र की लड़की और बहू चिल्लाने लगी।जिसको सुनकर पास-पड़ोस के लोग इकट्ठा हो कर अगल बगल ढूंढना शुरू किया।तो घर से कुछ दूर बाग में टूटे-फूटे बक्से व उसमें रखे कपड़े एवं अन्य सामान बिखरे पड़े मिले।जिसकी सूचना पुलिस चौकी सिकंदरा पर दी गयी।सूचना पाकर चौकी पर कार्यरत एसआई पुरुषोत्तम लाल मय हमराही मौके पर पहुंच कर छानबीन किया।लेकिन चोरी करने वालों की कोई जानकारी नहीं हुई। लेकिन एसआई पुरुषोत्तम ने चोरी का जल्द ही खुलासा करने का आश्वासन दिया।

एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर ठगी करने वालों का बना बी वारंट

प्रयागराज। एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर ठगी करने वालों का बना बी वारंट मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर 17 लाख की ठगी करने के मामले में कोतवाली पुलिस दो आरोपियों का बी वांरट बनवा लिया है। अब पुलिस उनको पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

मण्डलीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

मण्डलायुक्त ने संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों के साथ-साथ राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिये निर्देश

50 करोड़ रूपये से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाने के दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्री संजय गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को आयुक्त कार्यालय के गांधी सभागार में कर करेत्तर तथा राजस्व, विकास प्राथमिकता के कार्यों की प्रगति के सम्बंध में मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक के प्रारम्भ में मण्डलायुक्त ने सभी जनपदों के जिलाधिकारियों की उपस्थिति में मण्डलीय वेबसाइट Prayagraie>dis&ion.nic.in का शुभारम्भ किया। इस वेबसाइट में मण्डल से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां उपलब्ध है। उन्होंने वेबसाइट को और बेहतर बनाने के लिए बैठक में उपस्थित अधिकारियों से सुझाव भी देने के लिए कहा है। बैठक में राजस्व विभागों के राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को अभियान चलाकर राजस्व वसूली में तेजी लाये जाने का निर्देश दिया है। विद्युत विभाग के राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वसूली

के कार्य में तेजी लाये। मण्डलायुक्त ने सरकारी विभागों में विद्युत बकायें की शिकायत पर सम्बंधित विभागों के साथ तालमेल बनाकर उनसे विद्युत बकायें की वसूली के निर्देश दिये है। उन्होंने माध्यमिक विद्यालयों के विद्युत बिलों को संशोधित कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये है। इस काम की मानीटरिंग के लिए उन्होंने सभी जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है। मण्डलायुक्त ने खनन विभाग के अधिकारियों को ओवरलोडिंग की आ रही लगातार शिकायतों पर गाड़ियों को सीज कर उनसे जुर्माना वसूलने की कार्यवाही में तेजी लाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने मण्डी समिति के कार्यों की समीक्षा की। बैठक से उप निदेशक मण्डी के अनुपस्थित रहने पर उनसे स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए कहा है। उन्होंने मण्डी परिसर में लगाये गये सीसीटीवी कैमरे की स्थिति के बारे में जानकारी ली और कहा कि सभी सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील अवस्था में होने चाहिए। 50 करोड़ रूपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने कौशाम्बी में बनाये जा रहे राष्ट्रीय मेडिकल कालेज के निर्माण की धीमी गति पर नाराजगी जतायी व जिलाधिकारी कौशाम्बी को निर्देशित करते हुए कार्य की मानीटरिंग करते हुए कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये। जनपद प्रतापगढ़ एवं फतेहपुर में बनाये मेडिकल कालेज के कार्य में भी तेजी लाये जाने के निर्देश दिया। साथ ही प्रयागराज में जनपद न्यायालय में चल रहे निर्माण कार्य को भी जल्द से जल्द पूरा कराने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने जनपदों में सेतुओं के निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समयसीमा के अन्तर्गत पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने मण्डल के सम्बंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए जमीन अधीग्रहण की कार्यवाही में आ रही समस्याओं को दूर कराने के लिए कहा है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत जनपद प्रतापगढ़ में लक्ष्य के सापेक्ष कार्य न होने पर कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाने के लिए कहा है। कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत ऐसे किसान जो कतिपय त्रुटियों के कारण योजना का लाभ नहीं पा रहे है, ऐसे किसानों के प्रपत्रों के संशोधन का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश सभी मुख्य विकास अधिकारियों को दिया है। साथ ही लंबित आवेदन का निस्तारण जल्द से जल्द कराये जाने के लिए कहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में कृषकों को बीमा कम्पनियों द्वारा उनके दावों पर समय से कार्यवाही करने के लिए कहा है, जिससे कृषकों को बीमा का लाभ समय से मिल सके। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि दावों की संख्या कम होने पर अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि दावों की संख्या को बढ़ाया जाये, इसके लिए किसानों को प्रचार-प्रसार के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जाये व उनकों क्लेम के बारे में जानकारी दी जाये, जिससे की ज्यादा से ज्यादा किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठा सके। पषुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने वृहद गो-संरक्षण केन्द्रों को तत्काल पूर्ण कराते हुए गो-वंशों को संरक्षित किये जाने का निर्देश दिया है।

बदहाल विद्युत व्यवस्था और मनमानी पूर्ण डिस्कनेक्शन को लेकर होगा आंदोलन सोमदत्त

15 जुलाई को तहसील पहुंचने का आहवाहन

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। एक ओर जहां भीषण उमस भरी गर्मी से जनजीवन बेहाल है वहीं दूसरी ओर विद्युत विभाग की हिला हवाली लापरवाही के कारण चरमराई विद्युत व्यवस्था से लोगों का जीना दूभर हो गया है। यदि आमजन के बातों पर भरोसा करें तो स्थानीय स्तर पर हमेशा यह चर्चा रहती है की विद्युत विभाग के कर्मचारी विद्युत व्यवस्था को ठीक करने के बजाएं अवैध वसूली में ज्यादा लिप्त रहते है जिससे वह अपने मूल कर्तव्य पर संपूर्ण ध्यान नहीं दे पाते हैं जिसके कारण छोटी-छोटी समस्याएं भी बड़ी समस्या बन जाती है और उसका कोप भाजन आमजन को बनना पड़ता है।

इसी क्रम में सोमदत्त सिंह पटेल जिला पंचायत सदस्य एवं प्रभारी विधानसभा कोरांव समाजवादी पार्टी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर आगामी 15 जुलाई को समय 12:00 बजे स्थान तहसील प्रांगण में गत दिनों जिला पंचायत अध्यक्ष एवं ब्लाक प्रमुख के चुनाव में वर्तमान सरकार द्वारा दबंगई गुंडई और मनमानी पूर्ण ढंग से सत्ता का दुरुपयोग किया जाना और क्षेत्र में बदहाल विद्युत व्यवस्था एवम मनमानी पूर्ण ढंग से बिना किसी पूर्व सूचना के अवैध रूप से उपभोक्ताओं के विद्युत डिस्कनेक्शन करना और विभागीय कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे आमजन के शोषण के खिलाफ

विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा और साथ ही साथ चेतावनी देते हुए कहा कि यदि विद्युत विभाग के उच्चाधिकारी अपने भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही नहीं करता है तो विद्युत विभाग केंद्र में तालाबंदी करते हुए जेल भरो आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर ओमप्रकाश कुशवाहा विधानसभा अध्यक्ष मेहताब खान नगर अध्यक्ष शहादत अली हरिप्रसाद पाल अजय सिंह पटेल विधानसभा अध्यक्ष शिक्षक सभा रामानुज यादव प्रधान अखंड प्रताप भास्कर इसराइल अली दीपक पटेल दिनेश पटेल ब्लॉक अध्यक्ष राजेश पांडे यादवेंद्र यादव शिवदानी पाल कोमल यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

मंदिर ट्रस्ट में शामिल हों, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष व महामंत्री

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने सोमवार को चित्रकूट में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। पंडित दीनदयाल शोध संस्थान आरोग्य धाम में हुई मुलाकात में धर्मांतरण और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लेकर दोनों के बीच बातचीत हुई है। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में साधु-संतों को शामिल करने की मांग की है। उन्होंने ट्रस्ट में दो जगतगुरु, तीनों अणियों के श्रीमहंत को पदेन सदस्य बनाये जाने की मांग की है। इसके साथ ही साथ अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष व महामंत्री के साथ ही अन्य साधु संतों को भी शामिल करने की मांग है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के मुताबिक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने उन्हें यह आश्वासन दिया है कि ट्रस्ट में आरएसएस का कोई हस्तक्षेप नहीं है। लेकिन अखाड़ा परिषद की यह मांग सरकार तक जरूर पहुंचाएंगे।टीका और आशीर्वाद दिया है।

सपा नगरकार्यालय मे 15 जुलाई को सदर तहसील पर धरने को सफल बनाने को बनी रणनीति

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी महानगर की चौक कार्यालय पर 15 जुलाई को सभी तहसीलों पर प्रदेश व्यापी धरना और महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने को लेकर महानगर अध्यक्ष सै0इफ्तेखार हुसैन के अस्वस्थ होने के कारण महानगर उपाध्यक्ष महेन्द्र निषाद की अध्यक्षता व नगर महासचिव रवीन्द्र यादव रवि एडवोकेट के संचालन मे बैठक मे धरने को सफल बनाने को रणनीति बनाई गई।

महानगर के पदाधिकारीयों सभी चौदह फ्रन्टल संगठनों शहर की तीनो विधान सभा व सासंद पूर्व सांसद, विधायक पूर्व विधायक,तीनो विधान सभा से विधान सभा चुनाव लड़ने के इच्छुक आवेदक, पार्षद व पूर्व पार्षद को धरना स्थल पर अधिक से अधिक लोगों को लाने की ज़िम्मेदारी दी गई।महासचिव रवीन्द्र यादव ने बैठक मे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल द्वारा अधिकृत मुद्दों

से कार्यकर्ताओं को अवगत कराते हुए पूर्णत्या शान्तिपूर्ण तरीके से धरना देने की बात कही गई।सभी वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से अखिलेश यादव जी के अनुसार संयम और अनुशासित तरीके से कोविड गाईड लाईन का पालन करते हुए धरना देने से लोगों को अवगत कराया।कहा गया शासन प्रशासन अगर धरने मे व्यवधान उत्पनन करने की कोशिश करता है तो उग्र आन्दोलन के लिए वह खुद ज़िम्मेदार होगा।बैठक में रवीन्द्र यादव,महेन्द्र निषाद,इसरार अन्जुम विजय वैश्य,मोईन हबीबी,तारिक सईद अज्जू मो0गौस,ओ पी यादव वक़ार अहमद,मंजू यादव मंजू पाण्डेय,प्रतिमा रावत,रेनू गौतम बालमीकि,बीना यादव सुषमा यादव,मशहद अली खाँ अब्दुल समद,शाहिद प्रधान सै0मो0अस्करी,महेष निषाद,पप्पू पासी सै0मो0हामिद मो0हसीब मो0सऊद,मो0तहज़ीब,संतोष कुमार निषाद,भोला पाल,हरीश चन्द्र श्रीवास्तव, शिवशंकर विश्वकर्मा पंकज साहू, शिव ओम सिंह पटेल,जयशंकर रावत आशीष कुमार कनौजिया, आसिफ हुसैन,आसिफ अन्सारी उदय सिंह हेमन्त,शुभम यादव अरशद हुसैन,राजेश यादव,दिनेश प्रजापति, विशाल सिंह,विकास कुमा केसरवानी आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 15 जुलाई को विभिनन मुद्दों को लेकर सदर तहसील पर शान्तिपूर्ण होगा धरना-शासन प्रशासन ने व्यवधान डाला तो हो सकता है उग्र प्रदर्शन जिसकी ज़िम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पेट्रोल- डीजल की महंगाई से गुस्से में लोग- फुज़ैल हाशमी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव फुज़ैल हाशमी ने कहा है कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेलों के बढती महंगाई से लोगों में गुस्सा है । बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है । हाशमी भगवत पुर ब्लाक में महंगाई को लेकर 7 से 17 जुलाई के पार्टी के राज्य व्यापी आंदोलन के बावत जागरूकता अभियान में बोल रहे थे । केंद्र और प्रदेश की मोदी एवं योगी सरकार को जनविरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क के रूप में सरकार ने कुल मिला कर 28 लाख करोड़ वसूला है । आयकर और कारपोरेट टैक्स से ज्यादा कमाई तो सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों से कर ली है । सरकार की आम जनता से इस लूट के खिलाफ लोगों को सड़कों पर आना होगा । प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी और प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू द्वारा आवाम के हितों के लिए छेड़े अभियान की प्रशंसा करते हुए हाशमी ने प्रदेश में 2022 में कांग्रेस नेतृत्व की सरकार की पुनर्वापसी का दावा किया । अध्यक्षता ब्लाक अध्यक्ष संदीप सरोज ने किया।

सरकार की जनसंख्या नीति के साथ अखाड़ा परिषद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर योगी सरकार की नई जनसंख्या नीति का स्वागत और समर्थन किया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने जनसंख्या विस्फोट को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा है कि देश और प्रदेश में तेजी से जनसंख्या बढ़ रही है। यह जनसंख्या विस्फोट की स्थिति है। भविष्य में इससे तमाम समस्याएं उत्पनन होंगी।

इसलिए यह बेहद जरूरी है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने मांग की है कि सरकार को जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए ऐसा सख्त कानून बनाना चाहिए, जिसे देश और प्रदेश में रहने वाले हर नागरिक को मानना बाध्यकारी हो। उन्होंने कहा है कि जनसंख्या बढ़ने का सीधा प्रभाव अच्छी शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। परिषद अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने सभी धर्मगुरुओं से अपील की कि वे इसका समर्थन करें और अपने अनुयायियों को इसके लिए प्रेरित करें। महंत नरेंद्र गिरी ने कहा है कि जनसंख्या नियंत्रण का कानून इतना सख्त होना चाहिए कि अगर दो बच्चे के बाद तीसरा बच्चा कोई पैदा करता है तो उसे वोट देने का अधिकार ना हो, न ही चुनाव लड़ने का अधिकार हो और उसका आधार कार्ड भी न बने और सरकार की तमाम योजनाओं से भी उसे वंचित कर दिया जाए। तभी इस कानून का सही मायने में सख्ती से पालन हो सकता है।

पुलिस ने नकली 112 बोरा भोला मुनक्का पकड़ा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आज आबकारी विभाग औषधि विभाग और थाना मुट्ठीगंज प्रभारी अपने हमराही लोगों के साथ मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र के गढ़हिया में नकली 112 बोरा भोला मुनक्का पकड़ा गया। औषधि विभाग, आबकारी विभाग और मुट्ठीगंज पुलिस की सयुक्त टीम ने छापा मारा। छापे में 112बोरी नकली भोला मुनक्का गोदाम से पकड़ा गया। गोदाम गौरी इंटरप्राइजेज के नाम से फर्जी चल रहा था। जबकि फर्म कीटगंज के पते से रजिस्ट्रेशन हैं। मौके से गोदाम मालिक सहित अन्य फरार हो गए। नकली माल बिहार, दिल्ली,बनारस सहित अन्य राज्यों में सप्लाई की जाती थी। के औषधि पदार्थ नशे के रूप में युवाओं ।

बिटिया के कातिलों की गिरफ्तारी को निकाला कैंडल मार्च

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सहसों के पास स्थित एक गांव की 11वर्षीय बिटिया की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपियों की गिरफ्तार न होने पर सोमवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सोमवार को पासी समाज की ओर से त्रिवेणीपुरम से शास्त्रीपुल पर कैंडल मार्च निकालकर बिटिया को श्रद्धांजलि दी गई।

इस मौके पर शीतला प्रसाद (पूर्व प्रधान), गीता पासी, मनीलाल सरोज, रामसिंह राजपाल, मौजीलाल, पवन गौतम, सतीश कुमार, शिव शक्ति वर्धन, मदन सरोज, सुनील प्रगतिशील, विनय प्रकाश, राम अभिलाष, सूर्य बली पासी, प्रदीप माही, अमर नाथ, विशाल बघाडिया, नीरज पासी, राहुल कुमार सरोज, रंजना वैशाली, अंजना सुनील यादव, छात्र नेता जितेंद्र धनराज, राज सरोज, रामनरेश, सत्य प्रकाश सरोज, अभिषेक, धीरेंद्र भारतीय, महेंद्र भारतीय, शिवम भारतीय, सत्यम भारतीय, सुंदरम भारतीय, रहमान पासी, सागर पासी, सनी भारतीय, ज्योति देवी आदि मौजूद रहे। उन्होंने पुलिस को चेतावनी दी है कि अगर बिटिया के कातिल जल्द ही पकड़े नहीं गए तो वे एसएसपी और डीएम का घेराव करेंगे।

बिजली का हाल जानने प्रयागराज पहुंचा विधायकों का दल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज की बिजली व्यवस्था का हाल जानने के लिए पांच विधायकों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार रात प्रयागराज पहुंचा। गंगा गोमती एक्सप्रेस से आया प्रतिनिधिमंडल सीधे एमएनएनआईटी के गेस्ट हाउस गया। समीक्षा के लिए 25 विधान परिषद सदस्यों को आना है। बाकी सदस्यों के सुबह तक पहुंचने की संभावना है।

विधायकों का दल मंगलवार को जिले की बिजली व्यवस्था पर समीक्षा करेगा। शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में दोपहर 12 बजे से समीक्षा बैठक प्रस्तावित है। विधायकों का दल स्थलीय निरीक्षण भी कर सकता है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण का निणन्य विधायक ही करेंगे। शहर में पहली बार विधायकों का इतना बड़ा दल समीक्षा करने आ रहा है। एक पखवाड़े से लड़खड़ाई शहर की बिजली आपूर्ति के बीच विधायकों के दल का दौरा अहम माना जा रहा है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025

नवाचार प्रबंधन का बढ़ावा देने की जरूरतः निदेशक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। ट्रिपलआईटी के प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से 'नवाचार प्रबंधन पर पांच दिनी ऑनलाइन कार्यशाला का आगाज सोमवार को हुआ। निदेशक प्रो. पी नागभूषण ने कहा कि नवाचार प्रबंधन मूल्यवान अंतर्दृष्टि या वैकल्पिक सोच को उत्पनन करने की एक संरचित प्रक्रिया है। जिसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

संस्थान ने इस दिशा में छात्रों द्वारा परीक्षा पास करने के बजाय सीखने को सुनिश्चित करने के लिए कई अभिनव कदम उठाए हैं। प्रो. अनिल कुमार गुप्ता ने नवाचार प्रबंधन पर अपना मुख्य भाषण दिया। रजिस्ट्रार प्रो. विजयश्री तिवारी ने कहा कि नवाचार प्रबंधन नए व्यापार मॉडल बनाने में मदद करता है और बदलते बाजार के लिए डिजाइन किए गए नए उत्पादों, सेवाओं और प्रौद्योगिकियों का निर्माण करता है। डॉ शैलेंद्र सिंह ने अभिनव प्रबंधन से संबंधित कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। प्रो. रंजीत सिंह ने कहा कि तीसरी एफडीपी कार्यशाला में देश भर से 50से अधिक संकाय सदस्य भाग ले रहे हैं।

बहादुरगंज के मोती पार्क पर ठेकेदारों का कब्जा पार्किन के नाम पर वसूले जाएगा शुल्क

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बहादुरगंज स्थित मुख्य चौराहे पर बना मोती पार्क का सुंदरीकरण 25 साल से नहीं हुवा ।

लेकिन वही नगर निगम ने मोती पार्क को मोटरसाइकिल स्टैंड बना दिया । स्थानीय कांग्रेस के नेता इरशाद उल्ला ने कहा 25 साल से शहर पुराने बहादुरगंज का एकमात्र पार्क अपनी बदहाली पर रो रहा। नगर निगम इसका सुंदरीकरण करने के बजाए इससे

पैसा कमाने में लग गई । जिससे बहादुरगंज की जनता में गुस्सा है। बुजुर्ग महिलाएं व बच्चे के सुबह घूमने व टहलने के लिए कोई पार्क नहीं है । नगर निगम अगर इसका सुंदरीकरण नहीं करते तो हम कांग्रेसी धरना देंगे ।और नगर आयुक्त कुंभकरण की नींद सो रहे ।

उनको जगाने का काम करेंगे । कांग्रेसी नेता इरशाद उल्ला ने कहा हम बहादुरगंज मोहल्ले लोग इसका सुंदरीकरण चाहते हैं ना कि स्टैड। नगर निगम अभिलंब मोती पार्क से वाहन स्टैंड हटाकर इसकी सुंदरीकरण करें। जिससे यहां के रहने वाले बड़े बुजुर्ग महिलाएं और बच्चों को योगा और टहलने को पार्क की जगह मिल सके।

सम्पादकीय

कुंभ के बाद कांवड़ यात्रा

उत्तराखंड सरकार ने पिछले महीने ही कोविड-19 की तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए इस साल कांवड़ यात्रा रद्द करने का फैसला कर लिया था। अब नए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बयान से संकेत मिलता है कि राज्य सरकार इस फैसले पर पुनर्विचार भी कर सकती है। इसी महीने की 25 तारीख से शुरू हो रही सालाना कांवड़ यात्रा को लेकर जिस तरह की अनिश्चितता राज्य सरकारों के रुख में दिख रही है, वह चिंताजनक है। उत्तराखंड सरकार ने पिछले महीने ही कोविड-19 की तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए इस साल कांवड़ यात्रा रद्द करने का फैसला कर लिया था। अब नए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बयान से संकेत मिलता है कि राज्य सरकार इस फैसले पर पुनर्विचार भी कर सकती है। उन्होंने कहा है कि कांवड़ यात्रा सिर्फ उत्तराखंड से जुड़ा मसला नहीं है। इसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली आदि से भी श्रद्धालु शामिल होते हैं, इसलिए इन सरकारों से बातचीत करके ही कोई फैसला किया जाएगा। गौर करने की बात है कि धामी के इस बयान से पहले यूपी सरकार इस साल भी कांवड़ यात्रा जारी रखने का फैसला कर चुकी थी। ऐसे में दो बीजेपी शासित राज्यों की सरकारों के परस्पर विरोधी फैसलों का टकराव न केवल गलत राजनीतिक संदेश देता बल्कि उससे उपजी अनिश्चितता का खामियाजा श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ता। इस संदर्भ में देखा जाए तो उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का बयान अनावश्यक टकराव टालने का एक समझदारी भरा प्रयास कहा जा सकता है।

खासकर इसलिए भी कि उन्होंने पिछली सरकार के फैसले के पीछे निहित तर्क को खारिज नहीं किया है, बल्कि उसकी पुष्टि ही की है। उन्होंने कहा है कि कांवड़ यात्रा निश्चित रूप से लोगों की आस्था से जुड़ी चीज है, लेकिन अगर इस दौरान कोविड संक्रमण के चलते लोगों की जान चली जाती है तो भगवान को भी अच्छा नहीं लगेगा। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या आसपास के अन्य राज्यों की सरकारें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री जैसी परिपक्वता का परिचय दे पाएंगी। जहां तक हेल्थ एक्सपर्ट्स की बात है तो उनके बीच किसी तरह की दुविधा नहीं है। उनका साफ कहना है कि प्रस्तावित कांवड़ यात्रा कोरोना के फैलाव के लिहाज से कुंभ के मुकाबले कई गुना ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है। कुंभ में करीब 70 लाख श्रद्धालु हरिद्वार में इकट्ठा हुए थे, जबकि कांवड़ यात्रा के दौरान तीन से पांच करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इतनी बड़ी भीड़ से करोना प्रोटोकॉल का पालन कराना सरकारी तंत्र के लिए नामुमकिन होता है, यह बात बार-बार साबित हो चुकी है। जहां तक आम लोगों की अपनी समझदारी की बात है तो वे कोरोना के खतरों को कितनी तवज्जो दे रहे हैं यह पहाड़ों पर उमड़ी सैलानियों की भीड़ के ताजा नजारों से भी साफ है। और डेल्टा प्लस वैरियंट के मामले उत्तराखंड में भी पाए जा चुके हैं। जाहिर है, राज्य सरकारें लोगों की धार्मिक भावनाओं की आड़ में अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकतीं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के दिल के करीब नॉर्थ ईस्ट

प्रेम रंजन साह

नब्बे के दशक में जब मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ता था तो नॉर्थ-ईस्ट, बिहार, यूपी, हरियाणा, हिमाचल, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल समेत सभी राज्यों के स्टूडेंट्स भारी संख्या में दाखिला लेते थे। भाषा, वेश-भूषा और खानपान की दृष्टि से अलग होने के बावजूद देशभर के स्टूडेंट्स एक दूसरे से लगभग घुल मिल जाते थे, लेकिन नॉर्थ ईस्ट के स्टूडेंट्स खुद को अलग-थलग महसूस करते थे। देश का नागरिक होने के बाद भी उनके लिए दिल्ली, लंदन, न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन के समान था। उनकी कोशिश होती थी कि वे खुद के ग्रुप में रहें। मैंने कॉलेज के बाद भी कई सालों तक दिल्ली यूनिवर्सिटी में रिपोर्टिंग की, लेकिन मेरे जहन में किसी नॉर्थ-ईस्ट स्टूडेंट का नाम नहीं है जिसने यूनिवर्सिटी या कॉलेज स्तर पर चुनाव लड़ा हो, (कॉलेज स्तर पर एक दो संभव), जबकि पूरी यूनिवर्सिटी में नॉर्थ-ईस्ट स्टूडेंट्स की अच्छी तादाद थी। आजादी के 74 साल हो गए हैं लेकिन इस दौरान नॉर्थ ईस्ट के लोगों के लिए दिल्ली दूर ही रहा है, लेकिन 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद स्थितियां तेजी से बदली हैं।

प्रधानमंत्री मोदी पिछले 7 सालों में जितनी बार नॉर्थ ईस्ट का दौरा कर चुके हैं, उतना तो शायद आजादी के बाद सभी प्रधानमंत्रियों के दौरे मिलाकर भी नहीं है। पीएम मोदी 35 से ज्यादा बाद इस क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में 10 बार भी वहां नहीं गए, जबकि मनमोहन सिंह खुद असम से राज्यसभा सांसद भी थे। पिछले दिनों मोदी सरकार 2.ध् का विस्तार किया गया। मंत्रिमंडल विस्तार में 20 एससी-एसटी और 27 ओबीसी मंत्रियों को शामिल किया गया, लेकिन यहां गौर करने वाली बात यह है कि मोदी सरकार में नॉर्थ ईस्ट से पांच मंत्रियों को शामिल किया है जिनमें दो कैबिनेट मिनिस्टर और तीन राज्य मंत्री हैं। नॉर्थ ईस्ट से मंत्रियों में सर्वानंद सोनोवाल (असम), किरेन रिजिजू (अरूणाचल प्रदेश), रामेश्वर तेली (असम), सुश्री प्रतिभा भौमिक (त्रिपुरा), राजकुमार रंजन सिंह (मणिपुर) को शामिल किया गया है। असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल को पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री और आयुष मंत्री के साथ किरेन रिजिजू को कानून और न्याय मंत्री की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। आजादी के 74 साल बाद पहली बार केंद्रीय मंत्रिमंडल में त्रिपुरा से किसी जनप्रतिनिधि को शामिल किया है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में लोकसभा की कुल 25 और राज्यसभा की 14 सीटें हैं। लोकसभा में प्रतिनिधित्व के हिसाब से देखें तो कुल 25 सीटों में से 4 लोगों (सर्वानंद सोनेवाला अभी किसी सदन के सदस्य नहीं है) को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह दी गई है, जो करीब करीब 16 प्रतिशत बैठता है, जबकि कैबिनेट में कुल सदस्यों का 15 फीसदी ही मंत्री बन सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी शुरू से नार्थ ईस्ट राज्यों के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने इस क्षेत्र का तेजी से विकास करने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय का गठन किया। 2014 के बाद से उनके द्वारा उठाए गए कदमों ने नॉर्थ ईस्ट इंडिया की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बदल लिया। भारत का सबसे लंबा रेल और सड़क पुल (4.94 किमी) बोगीबिल ब्रिज हो या फिर असम को मेघालय से जोड़ने के लिए धुबरी-फूलबारी ब्रिज या फिर देश का सबसे लंबा ंगनेंदर्जैब, ये सभी काम मोदी सरकार ने तेज गति से कराए हैं। मोदी कार्यकाल के दौरान 50 वर्षों से चले आ रहे बोडो मुद्दे के समाधान के लिये समझौता किया गया। ब्रू-रियांग समझौता भी मोदी सरकार की बड़ी सफलता रही है। पिछले सात वर्षों के दौरान इस क्षेत्र को राजमार्ग, रेल मार्ग और हवाई मार्ग से देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है। अब हवाई मार्ग के द्वारा यहां से कृषि उत्पाद को देश के अन्य हिस्सों के साथ साथ विदेशों तक आसानी से भेजा जा रहा है। मोदी सरकार ने बांस को पेड़ की कैटेगरी से हटा दिया, जिससे इस क्षेत्र के लोगों को काफी सुविधा हुई। अरुणाचल प्रदेश में नॉर्थ ईस्ट रीजन टेक्सटाइल प्रमोशन स्कीम (ऊिइए) के तहत बड़े पैमाने पर ईरी फार्मिंग शुरू की गई। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए मणिपुर में फर्स्ट नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई। इसके साथ ही पूरे नॉर्थ ईस्ट में पर्यटन और जैविक खेती को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। भारत का नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र आठ राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा से से मिलकर बनता है। यह क्षेत्र देश के भौगोलिक क्षेत्र का 8ज्ञ् है। भारत के नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र में अपार प्राकृतिक संसाधन हैं। यहां देश के 34ज्ञ् जल संसाधन हैं और 40ज्ञ् जलऊर्जा क्षमता है। यह क्षेत्र पूर्व के मुख्य देशों तथा बांग्लादेश एवं म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों के निकट होने के कारण कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। दक्षिण एशियाई बाजार में सुविधाजनक तरीके से प्रवेश करने के लिए भी यह क्षेत्र महत्वपूर्ण है। एक लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा और एक संकरी पट्टी जिसे आम तौर पर सिलीगुड़ी गलियारा या चिकेन नेक के नाम से जाना जाता है, के द्वारा भारत से जुड़ा है। यह न केवल आर्थिक विकास के लिहाज से महत्वपूर्ण क्षेत्र है बल्कि इसका अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक और संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र होने की वजह से सामरिक व रणनीतिक महत्व भी है। अपार संसाधन, ऊपजाऊ कृषि भूमि और अकूत मानव संसाधन के बावजूद भी पिछले 74 सालों में इस क्षेत्र का ज्यादा विकास नहीं हुआ। इस क्षेत्र के लोगों के लिए दिल्ली हमेशा हमेशा दूर ही रहा या यूं कहें कि पिछली सरकारों ने इस क्षेत्र को दिल्ली के करीब आने ही नहीं दिया।

प्रधानमंत्री मोदी पूर्वोत्तर के विकास के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध रहे हैं और इसका एक और यह उदाहरण है कि पीएम मोदी ने अपने मंत्रियों से पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा करने और वहां प्रवास करने का बराबर निर्देश दिया ताकि इस क्षेत्र में विकास को और तेज किया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ इस क्षेत्र को आर्थिक तौर से ही मजूबत नहीं करना चाहते हैं बल्कि इस क्षेत्र की संस्कृति को भी देश दुनिया तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने नॉर्थ ईस्ट इलाके का जब भी दौरा किया, उन्हें वहां की स्थानीय वेशभूषा में देखा गया। 2014 में प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद से पीएम मोदी कुछ चुनिंदा जगहों पर ही रात्रि प्रवास किया है उनमें नॉर्थ ईस्ट भी शामिल है। कुल मिलाकर यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि नॉर्थ ईस्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल के हमेशा करीब रहा है।

भिखारियों को यूँ ही पैसे मिलते रहे तो आरामतलबों की संख्या बढ़ती चली जायेगी

अशोक मधुप

देश बेरोजगारी, गरीबी,अशिक्षा जैसी कई समस्याओं का सामना कर रहा है। इनमें एक है भिक्षावृति ।ये गरीबी और विवशता के कारण कम हमारे द्वारा ओढ़ी हुई ज्यादा है। समय की जरूरत है कि सब लोग देश के विकास में योगदान करें।

क्षमतानुसार काम करें। जो जितना कर सकता है, योगदान करे। देश के विकास में अवरोध बनी भिक्षावृति की समस्या से निपटने के लिए बोम्बे हाईकार्ट का निणन्य पूरे देश में लागूकर इस समस्या से निजात पाई जा सकती है। हम भारतवासियों को शुरूआत से, बचपन से दया, ममता, करूणा और जरूरतमंद की मदद का पाठ पढ़ाया जाता है। उनमें ये सारे गुण विकसित किए जाते हैं। आज दुनिया बहुत चतुर हो गई, वह हमारी इन कमजोरी का लाभ उठाने लगी। हमारी भावनाओं का देहन करती है।

आज देश में भिक्षावृति एक बड़ी समस्या बन चुकी है।समाज की दया और मदद करने की भावना का लोग बड़ी तादाद में लाभ उठाते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 4,13760 भिखारी हैं।सामाजिक कल्याण मंत्रालय ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि देश में इस कुल 413760 भिखारी हैं ।इनमें 221673 भिखारी पुरुष और बाकी महिलाएं हैं। भिखारियों की इस लिस्ट में टॉप पर पश्चिम बंगाल है। बंगाल में भिखारियों की संख्या सबसे अधिक है पश्चिम बंगाल में कुल 81224 भिखारी हैं।इनमें 33086 पुरुष और 48158 महिलाएं हैं। उत्तर प्रदेश में कुल 65838 भिखारी हैं। इनमें 41859 पुरुष और 23976 महिलाएं है। वहीं बिहार में 29723 भिखारी हैं, इनमें 14842 पुरुष और 14881 महिलाएं है। सबसे कम भिखारियों की संख्या लक्षद्वीप में है। लक्षद्वीप में केवल दो भिखारी हैंये सरकारी आंकडें हैं।

वैसे भी ये दस साल पुराने आंकड़े हैं। अब तो ये भी बढ़कर दुगने हो गए होंगे। वास्तविकता में हालत बहुत खराब है। सही से जांच कराई जाए तो इनकी संख्या करोड़ो में होगी। ये अधिकांश पेशेवर हैं।इनसे आप काम करने का कहेंगे, तो नहीं करेंगे। ये समझते हैं कि जब बिना काम किए मिल रहा है, तो हम क्यों काम करें। रेलवे, स्टेशन ,ट्रेन आदि में इनकी गुंडागर्दी देखते बनती है।मुझे ट्रेन से बंगलौर जाना था। टैक्सी से मैं जब हजरत निजामुदीन रेलवे स्टेशन पंहुचा तो पाया कि चौराहे से दूर तक मांगने वालों की लाइन लगी है। टैक्सी का मेरी साइड का शीशा उतरा हुआ था। एक 30-35 साल की महिला में मांगने के लिए हाथ फैलाया। मैंने इंकार करते हुए उसकी ओर दोनों हाथ जोड़ दिए। इस पर उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पंहुच गया। उसने कहा-जा तेरा एक्सीडेंट हो जा। ये भिखारी रास्ते पर ही नहीं प्लेट फार्म पर जाने वाले ओवर ब्रिज पर भी दोनों ओर काफी संख्या में जमे थे। तीर्थस्थल की तो हालत ओर भी खराब है। वहां तो मांगने वालों के समूह के समूह मिलेंगे। भिक्षा न देने पर ये अभद्रता पर उतर आतें हैं।अब तो मांगने वालों के घुमक्कड़ समूह भी बन गए।

ये एक जगह पर कुछ समय मांगते और फिर आगे बढ़ जाते है। ये काम -धाम कुछ करेंगे नहीं ,हमारी दया और मदद करने की भावना का लाभ उठांएगे,और अय्याशी करेंगे। बिजनौर रोडवेज पर एक वृद्ध बेटे की मौत की बात बताकर अंतिम संस्कार के नाम पर पैसे मांगता था। शाम को एकत्र किए पैसे की शराब पी जाता था । बहुत दिन तक उसका कार्य लगा। धीरे- धीरे लोगों को पता चल गया। उन्होंने उसे भगाया।

बिजनौर में ही एक वृद्धा स्कूल रोड के एक बरांडे में पड़ी रहती थी। कुछ साल पूर्व सरकार ने गरीबों का कांशीराम आवास आंविटत किए थे।फिर भी वह वहीं दिखाई देती। एक दिन सुबह घूमने जाते मैंने उस महिला के बरांडे में लेटे देखा। मैं उससे मकान न मिलने के बारे में पूछने उसके पास चला गया। उसकी कमर मेरी ओर थी। देखा वह पांच सौ के नोट की काफी मोटी गड्डी लिए उसके नोट गिन रही थी। उसने मुझे नही देखा, मैं चुपके से वापस लौट आया। कई मांगने वाले ऐसे मिले हैं कि उनके मरने पर उनके पास लाखों की सम्पत्ति मिली। पहले हम दया और ममता के कारण इन गरीबों भिखारियों की मदद करते थे। अब समझदार लोग, मेरे मित्र इनकी मदद करने से मना करते हैं। वे कहते हैं कि भीख देने से इनमें आरामतलबी आ गई। दुनिया का हर प्राणी अपनी जरूरत के लिए संघर्ष करता है। हरेक का अपना - अपना संघर्ष है।मांगने वालों को जब बिना मांगे मिल रहा है, तो काम क्यों करें। आज ये हम पर , समाज पर और देश पर बोझ बन गए हैं। कुछ राज्यों ने भिक्षावृति पर रोक लगाई। भीख मांगते पकड़े जाने पर सजा की व्यवस्था की पर आज भी समस्या वैसी ही बनी हुई है।हाल में एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जीएस कुलकर्णी की बेंच ने कहा कि बेघरों और भिखारियों को भी देश के लिए कुछ काम करना चाहिए। उन्हें राज्य ही सब कुछ उपलब्ध नहीं करा सकता। अगर उन्हें सब कुछ फ्री में दिया तो वे काम नहीं करेंगे। अदालत की यह टिप्पणी मुंबई के रहने वाले बृजेश आर्य की याचिका पर आई है। आर्य ने लॉकडाउन के दौरान अदालत से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (ँश्ण) को शहर में बेघरों, भिखारियों और गरीबों को तीन वक्त का खाना, पीने का पानी, रहने के लिए जगह और पब्लिक टॉयलेट का इंतजाम करने के लिए निर्देश देने की गुजारिश की थी।डबल बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि बेघर और भिखारियों को भी देश के लिए काम करना चाहिए। हर कोई काम कर रहा है। सब कुछ राज्य नहीं दे सकता है। आपकी याचिका इस वर्ग की आबादी बढ़ाने वाली है। अदालत ने याचिकाकर्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर याचिका में किए गए सभी अनुरोध मान लिए जाएं तो यह लोगों को काम नहीं करने का न्योता देने जैसा होगा। निणन्य बहुत अच्छा है। पूरे देश को इस पर काम करना चाहिए।अपंग, अक्षम लोगों की मदद की जाए। उन्हे दवा,आसरा व भोजन दिया जाए बाकी से काम लिया जाए। कुछ लोग परंपरा के नाम पर भीख मांगते हैं। भीख मांगने की प्रवृति को रोका जाए। मांगने के लिए परिवार के बुर्जुग बच्चों और किशोर को भी सवेरे ही घर से निकाल देते हैं। जरूरत है इन्हें समझाने की समाज की मुख्य धारा में लाने की । जरूरत है इन्हें देश के विकास के योगदान में प्रेरित करने की। ऐसा करने से देश और समाज का बड़ा बोझ कम होगा। राष्ट्र और समाज के निर्माण को कुछ नए हाथ मिल पांएगे।कुछ नए हाथ विकास में योगदान कर सकेंगे।

भारत, ईरान और रूस को साथ आना होगा

हर्ष वी. पंत

अफगानिस्तान में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। ऐसे में देखना होगा कि भारत के पास क्या ऑप्शंस हैं और वह क्या रणनीति बना रहा है। अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी 11 सितंबर तक होनी थी, लेकिन यह उससे पहले ही हो रही है। बाइडन ने यह बात साफ कर दी है कि अफगानिस्तान में सैन्य दखल का उनका कोई इरादा नहीं है। ऐसे में जो रीजनल पावर्स (क्षेत्रीय शक्तियां) हैं, यह उनकी जिम्मेदारी है कि वहां किस तरह से शांति बहाल होती है, किस तरह से पॉलिटिकल प्रॉसेस शुरू होती है क्योंकि उनके हित वहां से सीधे जुड़े हुए हैं। अफगान सरकार और तालिबान के बीच पॉलिटिकल सेटलमेंट अभी तक हो जाना चाहिए था, लेकिन उसमें ज्यादा प्रगति नहीं हुई है। तालिबान इस समय हिंसा को माध्यम बनाकर अपना राजनीतिक मकसद पाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में एक संतुलित पॉलिटिकल सेटलमेंट की संभावना कम होती नजर आ रही है।

अफगान सरकार दिन-ब-दिन कमजोर होती जा रही है और तालिबान ज्यादा प्रभावशाली होते जा रहे हैं। इस असंतुलन से जो भी पॉलिटिकल स्ट्रक्चर निकलकर आएगा, उसमें तालिबान केंद्र बिंदु होगा। फिर किस तरह से तालिबान स्थानीय शक्तियों के साथ डील करता है। ये शक्तियां किस तरह से तालिबान के साथ डील करती हैं। यह सब अफगानिस्तान के भविष्य के लिए बहुत इंपॉर्टेंट होगा और भारत जैसे मध्यम दर्जे के देशों के लिए भी। वैसे तालिबान ने खुद कहा है कि अब वह 1995 का तालिबान नहीं है। तो क्या तालिबान बदल रहा है उसका कैरेक्टर बदल रहा है क्या उसकी विचारधारा बदल रही है इन विषयों पर इस समय काफी बहस चल रही है, क्योंकि बाकी शक्तियां तालिबान के साथ कैसे पेश आएंगी, यह इसी पर निर्भर करता है।यह बात भारत के लिए भी काफी इंपॉर्टेंट है कि तालिबान ने खुद के बदलने की बात कही है। उसने यह भी कहा है कि दूसरे देशों के अंदरूनी मामले उनके लिए मायने नहीं रखते। उन्होंने कहा है कि उनकी कश्मीर में कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि यह भारत का अंदरूनी मामला है। लेकिन अगर वे हिंसात्मक राजनीति और एक मध्ययुगीन इस्लामी विचारधारा को आगे बढ़ाएंगे, तो भारत के अंदरूनी हालात पर इसका काफी प्रभाव पड़ सकता है और आने वाले दिनों में हमें इसका नुकसान उठाना पड़ेगा। इससे दूसरे देश भी बचे नहीं रहेंगे। इसलिए वे भी इस बात को लेकर चिंतित हैं। चीन इसलिए फिक्रमंद होगा क्योंकि इसका प्रभाव शिनच्यांग में पड़ेगा। रूस इसलिए कि मध्य एशिया में अगर इस्लामिक रैडिकलिज्म या टेररिज्म फैलता है तो प्रभाव उसके यहां भी होगा। ईरान भी इससे मुश्किल में

पड़ेगा क्योंकि अफगानिस्तान में सुनने-शिया की जो लड़ाई है, उसमें माइनॉरिटी रिफ्यूजी बनकर ईरान की ओर जाएंगे। यह होने भी लगा है। हम देख रहे हैं कि किस तरह से तजाकिस्तान में अफगान सेनाएं भाग गई थीं और कैसे वहां की सरकार ने उन्हें वापस भेजा। इस तरह से अफगानिस्तान के जो पड़ोसी देश हैं, सबके अपने-अपने हित और दुविधाएं हैं। तालिबान को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह किस तरह से इवॉल्व हो रहा है और उसका डायरेक्शन क्या है। इसमें पारंपरिक रूप से भारत की पोजिशन यही रही है कि जो भी पॉलिटिकल सेटलमेंट हो, वह अफगान नियंत्रित हो। ऐसे में अफगानिस्तान में अलग-अलग पक्षों के बीच बातचीत से कोई ऐसा सेटलमेंट निकलकर आता है तो भारत को उसका समर्थन करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। काफी समय तक भारत ने तालिबान से अपने संबंधों को आगे नहीं बढ़ाया क्योंकि काबुल में जो अफगान सरकार थी, भारत उसी को वैध मानता था और उसी को केंद्र में रखकर अपनी अफगान पॉलिसी बनाता था। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, कतर ने कहा कि भारत ने तालिबान से बातचीत की है, जिसका खंडन तो भारत ने किया है, लेकिन इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि भारत तालिबान के साथ बैक चैनल निगोशिएशन तो कर ही रहा है क्योंकि वहां की राजनीतिक प्रक्रिया में उसकी बड़ी भूमिका होगी। अब भारत को रणनीति बनाकर यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके समर्थन वाले स्टेकहोल्डर्स को भी पावर शेयरिंग अरेंजमेंट में रोल मिले।

कहीं ऐसा ना हो कि पावर शेयरिंग अरेंजमेंट एकतरफा हो जाए। इसके लिए यह जरूरी हो जाता है कि भारत, ईरान और रूस जैसे देशों के साथ एक कॉमन फ्रेमवर्क बनाए। इसीलिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस जाते वक्त ईरान में भी रुके, वहां उन्होंने अफगानिस्तान पर चर्चा की। भारत ने रूस और ईरान के साथ नॉर्दन एलायंस को 1990 में सपोर्ट किया था। अफगानिस्तान के कॉन्टेक्स्ट में ईरान और रूस के ऐतिहासिक संबंध हैं, जिनको बदलते जमीनी हालात में भारत रिवाइव करने की कोशिश कर रहा है। वहीं ईरान में भी एक नई सरकार आ रही है, नया पावर स्ट्रक्चर खड़ा हो रहा है। ऐसे में यह वहां के लिए किसी भी विदेशी प्रतिनिधि का पहला उच्चस्तरीय दौरा था। भारत ने अफगानिस्तान को लेकर यह बात कही है कि कैसे भारत और ईरान साथ काम कर सकते हैं। इसके बाद विदेश मंत्री की मॉस्को वाली मीटिंग में भी अफगानिस्तान ही छाया रहा। इस हफ्ते एससीओ (शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन) की मीटिंग होने वाली है, जिसमें इस पर चर्चा होगी। भारत कोशिश कर रहा है कि अफगानिस्तान के जो पड़ोसी देश हैं और जो लाइक माइंडेड कंट्रीज हैं, जिनके हित एक से हैं, वे एक हों। सारे देश चाहते हैं कि कट्टरता और आतंकवाद अफगानिस्तान से बाहर ना निकले और उनके अंदरूनी मामलों में इससे परेशानी ना खड़ी हो। भारत भी यही चाहेगा कि पड़ोसी देश एकजुट होकर इस दिशा में आगे बढ़ें। इससे तालिबान और पाकिस्तान को बैलेंस किया जा सकेगा, क्योंकि अभी दिख रहा है कि तालिबान जीत रहा है और पाकिस्तान उसके साथ है। उसे तभी बैलेंस कर पाएंगे जब भारत, रूस और ईरान जैसे देश इकट्ठा होकर अफगानिस्तान का कोई ऐसा पॉलिटिकल सेटलमेंट दे पाएं, जिसमें सारे स्टेकहोल्डर्स पावर शेयर करें, न कि केवल तालिबान का वर्चस्व हो।

इंफोसिस जैसा कमाल कर पाएगी जोमैटो

प्रबल बसु रॉय

तीस साल पहले भारत ने आर्थिक सुधार शुरू किए, जिससे देश हमेशा के लिए बदल गया। आज फिर से एक नए बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। अर्थव्यवस्था की हालत खराब है, लेकिन कम से कम वित्तीय बाजार के लिए उम्मीद की रोशनी दिख रही है। वैश्विक बाजार में कर्ज बहुत सस्ता मिल रहा है और उसका एक हिस्सा भारत के शेयर बाजारों में भी आया है, जिससे उसका वैल्यूएशन काफी बढ़ गया है, लेकिन किसी को इसकी परवाह नहीं है। इन सबके बीच स्टार्टअप्स यानी उभरती हुई कंपनियों को लेकर भी एक आशा दिख रही है। जनधन, आधार और मोबाइल (जैम) और आबादी के एक हिस्से तक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की पहुंच, नए तकनीकी प्लैटफॉर्मों और ऐप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) से लैस आधार, नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के कारण स्टार्टअप्स को तरक्की की जमीन मिली है। अब आम निवेशकों के पास भी इसका फायदा उठाने का मौका है। आने वाले वक्त में इस सेग्मेंट की जोमैटो, पेटीएम और ओयो जैसी कंपनियों की शेयर बाजार में लिस्टिंग होने वाली है। इसकी शुरुआत ऑनलाइन फूड प्लैटफॉर्म जोमैटो से हो रही है। यानी वह वक्त आ गया है, जब ऐमजॉन और अलीबाबा जैसे हमारे उदाहरण खड़े नजर आएं। कुछ इसी तरह का बदलाव 1993 में इंफोसिस के शेयर बाजार में आने से हुआ था। उससे पहले वित्तीय बाजार के सुधार लागू हुए थे, जिससे इस तरह की कंपनियों को विदेशी निवेशकों का नया वर्ग मिला। उन्हें इंफोसिस जैसी कंपनियों के बिजनेस की अच्छी समझ थी। ऐसा ही बदलाव जोमैटो, पेटीएम और ओयो जैसी कंपनियों की लिस्टिंग से आ सकता है। अभी तक भारतीय शेयर बाजार बिना मुनाफे की तूफानी ग्रोथ वाली कंपनियों से अनजान रहा है, लेकिन दुनिया इससे वाकिफ है। 1995-2000 के बीच ऐसी कंपनियां दुनिया भर में छा गईं। गूगल और फेसबुक ऐसी ही कंपनियां हैं, जिनसे आज कोई भी अनजान नहीं है।

जहां तक जोमैटो और दूसरी भारतीय स्टार्टअप्स की लिस्टिंग का सवाल है, भारतीय बाजार एक नए दौर की दहलीज पर खड़ा है। विदेशी निवेशक इसी तरह की कंपनियों को अमेरिका और चीन में बढ़ते देख चुके हैं। इसलिए वे भारतीय स्टार्टअप्स से तगड़ा मुनाफा कमाने का मौका नहीं चूकेंगे। इससे प्लैटफॉर्म, मोबाइल और ई-कॉमर्स सेग्मेंट की पहले से लिस्टेड एमसीएक्स, इंडियामार्ट, एफल और नजारा जैसी कंपनियों के शेयरों में भी तेजी आ सकती है। हमने इधर देखा है कि देश में इक्विटी मार्केट में पैसा लगाने वालों की संख्या बढ़ी है। भविष्य में शेयर बाजार के वैल्यूएशन में इसकी भी अहम भूमिका होगी। ऐसी भारतीय कंपनियां जो यहां के मार्केटप्लेस में बड़ी उथल-पुथल मचा सकें और जिनका कारोबार काफी हद तक देश में सिमटा हुआ है, उन्हें घरेलू निवेशकों के सपोर्ट की भी जरूरत होगी। जो कंपनियां नए इनोवेशन से उथल-पुथल मचाती हैं, उनकी 'सही कीमत' का अंदाजा लगाना नए वर्ग के निवेशकों की खूबी है। वे बता सकते हैं कि अगर फलां कंपनी को अभी मुनाफा नहीं हो रहा है तो चिंता करने की बात नहीं है। वह भविष्य में बड़े आकार के लिए अभी मुनाफे की कुर्बानी दे रही है और एक बार ऐसा करने पर उन्हें बढि़या मुनाफा हो सकता है। शेयर बाजार के सामने आज जो जोखिम है, उससे भी निवेशक अनजान नहीं हैं। मार्केट का वैल्यूएशन काफी अधिक है। मैक्रो इकॉनमी के लेवल पर भी असंतुलन दिख रहा है। आगे अर्थव्यवस्था की हालत कैसी रहेगी, इसका पता नहीं है। और अगर वैश्विक बाजार में लिक्विडिटी (पैसों) की सप्लाई घट जाए तो भारी मुश्किल खड़ी हो जाएगी। अक्सर यह भी कहा जाता है कि बड़े आईपीओ मार्केट के पीक वैल्यूएशन पर आते हैं, जैसे कि 2008 में रिलायंस पावर का इश्यू आया था। क्या जोमैटो को लेकर ऐसा नहीं सोचा जा सकता मुझे लगता है कि ऐसा नहीं है। इसे इंफोसिस के आईपीओ से जोड़कर देखना चाहिए, जिसने एक बड़े बदलाव की शुरुआत की थी। हालांकि, यह तभी हो सकता है, जब हमारे उद्यमी कॉरपोरेट गवर्नेंस, बिजनेस को बढ़ाने, लागत कम रखने और निवेशकों से स्पष्ट बातचीत करने की पहल करें।